इनसे बेहतर क्रिकेटर नहीं देखे

मैंने अपने जीवन में इनसे बेहतर क्रिकेटर नहीं देखे। जमाने भर में इनके खेल की तारीफ हुई। लेकिन इस सभी से अफसोस यह है कि इन्होंने कहीं भी क्रिकेट की कोचिंग नहीं दी। क्रिकेट को आगे प्रोत्साहन देने का काम नहीं शुरू किया। इन्हें ऐसा करना चाहिए।

सचिन, लारा, अनवर तीनों महान फिर भी अफसोसः इंजमाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने दुनिया के महान बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर, ब्रायन लारा और सईद अनवर को महान खिलाड़ी करार दिया है। इंजमाम ने इन्हें महान बताते हुए कहा कि उन्हें इस खिलाड़ियों से एक अफसोस भी है कि उन्होंने अभी तक कोचिंग देना शुरू नहीं किया है। इंजमाम ने अपने यूट्यूब चैनल इंजमाम उल हक– द मैच विनर पर यह बातें कहीं। इंजी ने अपने इस चैनल पर ताजा एपिसोड सर विव (विवियन) रिचर्ड्सः द अनडिस्प्यूटिड किंग ऑफ क्रिकेटश में इन खिलाड़ियों का जिक्र किया। 12 मिनट के इस वीडियो में इंजमाम ने सर विवियन रिचर्ड्स की खूबियां बताई हैं और यह बताने की कोशिश की है कि आखिर विवियन रिचर्ड्स को क्यों महान माना जाता है और वह किस अंदाज से अपने दौर में क्रिकेट खेला करते थे। इसी दौरान बात करते–करते इंजमाम सचिन तेंडुलकर, ब्रायन लारा और सईद अनवर का नाम लेते हैं। इंजमाम कहते हैं, ये सभी खिलाड़ी महान हैं। ये लोग क्रिकेट में नई–नई चीजें लेकर आए, जिन्होंने क्रिकेट का अंदाज बदला।

ट्रेनिंग में पूरी तरह दिख रहा था धौनी का दम

क्रिकेट

वर्ल्ड कप की टीम में देखना चाहते हैं बालाजी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चेन्नै। इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन के टलने से महेंद्र सिंह धोनी के करियर की स्पष्ट तस्वीर का इंतजार बढ़ गया है। ऐसा माना जा रहा था कि अगर पूर्व कप्तान चेन्नै सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो इस साल अक्टूबर–नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए वह टीम इंडिया में शामिल हो सकते हैं। लेकिन कोरोना वायरस महामारी के चलते यह पूरी प्रक्रिया ठहर सी गई है।

धोनी ने पिछले साल जुलाई में 50 ओवर वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए मुकाबले के बाद कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। हालांकि चेन्नै सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच लक्ष्मीपति बालाजी, जिन्होंने धोनी को चेपॉक स्टेडियम में मार्च के पहले दो सप्ताह में ट्रेनिंग करते देखा था, का मानना है कि धोनी के बल्ले की धार कुंद

नहीं हुई है।

उन्होंने बुधवार को कहा, हमें धोनी के छह महीने के ब्रेक के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। यह कोई बड़ी बात नही है। अगर आप टाइगर वुड्स या रोजर फेडरर को देखें तो वे भी बड़े टूर्नमेंट्स मिस करते हैं और वापस आते हैं। ब्रेक का अर्थ यह नहीं होता कि उनका प्रदर्शन कुंद हो गया है। हुनर का स्तर नहीं बदलता। धोनी के साथ भी ऐसा ही है। जब प्रदर्शन दिखाने का मौका आएगा तो आपक स्किल लेवल के बारे में सोचने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वह भले ही उस स्तर पर न हों जिस पर 25–26 साल की उम्र में थे लेकिन खेल की लेकर मानसिक स्तर पर वह बिलकुल सही अवस्था में है। जितना मैंने उन्हें चेन्नै सुपर किंग्स की ट्रेनिंगके दौरान देख वह बिलकुल भी चुके हुए नहीं लगे। यहां तक कि ट्रेनिंग के पहले दिन भी वह पूरे जोश में थे।

बतौर खिलाड़ी और कोच बालाजी ने देखा है कि धोनी प्लेइंग इलेवन में कितनी अहम भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि केएल राहुल ने सीमित ओवरों के प्रारूप में अपना दावा काफी मजबूत कर लिया है लेकिन बालाजी की नजरों में टी20 वर्ल्ड के लिए धोनी को भारती टीम में जरूर शामिल करना चाहिए।

38 वर्षीय इस बालाजी ने कहा, यह पूरी तरह से चयनकर्ताओं पर निर्भर करता है लेकिन आप अगर मुझसे पूछें तो मैं किसी भी बड़े टूर्नमेंट में धोनी को जरूर लेकर जाऊंगा। सिर्फ मैच फिनिश करने का हुनर ही नहीं धोनी के खेलने के अन्य कई फायदे भी होते हैं। वह इस टीम गेम में कई आयाम जोड़ते हैं, बड़े टूर्नमेंट जीतने की बात हो तो कामचलाऊ खिलाड़ियों के बात बनती नहीं बल्कि बिगड़ सकती है। तो हर स्थान के लिए आपके पास सर्वश्रष्ठ खिलाड़ी होना चाहिए। आईपीएल इस साल गर्मियों में नहीं खेला जाएगा। अगर आईपीएल इस साल उस वक्त पर होता है तो इस वातावरण से हम परिचित हैं।

कोविड– 19 के खिलाफ कोई 1 रुपया भी दे तो भी बड़ा योगदानः गौतम गंभीर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ओपनिंग बल्लेबाज और अब क्रिकेट कॉमेंटेटर गौतम गंभीर ने कहा कि कोविड– 19 के खिलाफ अगर कोई सच्चे मन से एक रुपया भी दान में देते है, तो वह भी बड़ा योगदान है। गौतम गंभीर ने यह आधिकारिक प्रसारणकर्ता के शो में कही। इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि वह लॉकडाउन के इन दिनों कैसे अपनी दिनचर्या बिता रहे हैं।

क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद सांसद बन चुके गौतम गंभीर ने लॉकडाउन में अपना ज्यादातर समय घर के पेड़–पौधों और लॉन की घास के रख–रखाव में ही खर्च कर रहे हैं। गंभीर ने इस कार्यक्रम में कहा, श्जहां

तक हम डोनेशन की बात कर रहे हैं, तो मेरे हिसाब से इसकी कोई सीमा नहीं है। अगर कोई सही भावना के साथ 1 रुपया भी दान देता है, तो वह भी बहुत बड़ा योगदान है।

242 इंटरनैशनल मैच खेल चुके इस पूर्व लेफ्टहैंडर बल्लेबाज ने कहा, इस लड़ाई को हम तभी जीत सकते हैं, जब हम सब एकजुट हो जाएं और सबसे जरूरी यह सभी दिशा–निर्देशों का पालन ठीक से करें। अगर हमसे कहा जा रहा है कि घर पर रहिए और किसी भी कीमत पर घर से बाहर नहीं निकलिए, तो इसका पालन करना हम सभी के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हमारे राष्ट्र की बेहतरी के लिए है।

जब गंभीर से पूछा गया कि वह लॉकडाउन में खुद कैसे अपना समय बिता रहे हैं, तो उन्होंने कहा, मुझे घर में पौधों और लॉन की घास के रख–रखाव की जिम्मेदारी मिली है। लेकिन मजेदार बात यह है कि मैं तीन दिन से लॉन की देखभाल कर रहा हूं लेकिन यहां की घास बड़ी नहीं हो रही है। जैसे लक्ष्मण (वीवीएस) मेरी बात नहीं सुनते वैसे ही यह घास भी मेरी पुकार नहीं सुन रही है।

ऑस्ट्रेलिया में शॉर्ट बॉल पर सचिन को भी हो रही थी दिक्कतः पोलक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान शॉन पोलक ने दावा किया है कि महान बल्लेबाल सचिन तेंडुलकर ने एक बार उनसे कहा था कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया में शॉर्ट पिच गेंदों का सामना करने में दिक्कत होती है। लेकिन वह विकेटकीपर और स्लिप में ऊपर से शॉट खेलकर इससे प्रभावी तरीके से निपटने में सफल रहे। पोलक ने स्काई स्पोर्ट्स के साथ पोडकास्ट पर कहा, उन्होंने एक बार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने को लेकर मेरे साथ बात की थी और बताया था कि उन्हें अब शॉर्ट पिच गेंदों का सामना करने में दिक्कत होती है इसलिए वह विकेटकीपर और स्लिप के ऊपर से गेंद को खेल देते हैं। वनडे इंटरनैशनल क्रिकेट में 393 और टेस्ट क्रिकेट में 421 विकेट चटकाने वाले पोलक ने कहा कि ऐसा भी समय था, जब तेंडुलकर के खिलाफ उनकी सभी योजनाएं धरी की धरी रह जाती थीं और वह इस बल्लेबाज के गलती करने का इंतजार करते थे। पोलक ने कहा, ऐसा भी समय था, विशेषकर उपमहाद्वीप में, जब आप सोचते थे, श्मुझे यकीन नहीं है कि हम इस खिलाड़ी को आउट कर सकते हैं। वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ने वाले दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं।

न्यूज डायरी

पूरा 2015 वर्ल्ड कप फ्रैक्चर घुटने के साथ खेलाः मोहम्मद शमी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 2015 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में हुए वर्ल्ड कप को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि वह पूरा वर्ल्ड कप चोटिल घुटने के साथ खेले थे। उन्होंने कहा, 2015 वर्ल्ड कप के दौरान मेरे घुटने में चोट थी। मैं मैचों के बाद चल भी नहीं पाता था। मैंने पूरा टूर्नमेंट चोट के साथ ही खेला। मैं 2015 का वर्ल्ड कप नितिन पटेल (फिजियोथेरेपिस्ट) के भरोसे खेल पाया। उन्होंने इरफान पठान के साथ इंस्टाग्राम लाइव में बुधवार को कहा, पहले ही मैच में मेरा घुटना टूट गया था। मेरी जांघें और घुटना एक ही साइज का हो गया था। डॉक्टर रोजाना उसमें से पानी निकालते थे। मैं तीन–तीन पेनकिलर खाकर खेलता था। उस विश्व कप में शमी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर थे। उन्होंने उस टूर्नमेंट के 7 मैचों में 17 विकेट लिए थे।

टेस्ट चौंपियनशिप के कार्यक्रम पर विचार करेगी आईसीसी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आईसीसी ने पिछले साल अगस्त में एशेज सीरीज के साथ विश्व टेस्ट चौंपियनशिप की शुरुआत की थी जिसका फाइनल लॉर्डस मैदान पर जून 2021 में खेला जाना है, लेकिन कोरोनावायरस के कारण कई सीरीज स्थगित कर दी गई हैं और आईसीसी इसके कार्यक्रम को भी पुनर्निर्धारित कर सकती है। आईसीसी के एक अधिकारी ने कहा कि कोरोनावायरस का टेस्ट चौंपियनशिप पर क्या असर पड़ेगा, इस पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि अगर कार्यक्रम में बदलाव करने की जरूरत पड़ी तो ऐसी स्थिति में विकल्पों को देखा जा रहा है। अधिकारी ने कहा, 'हम टूर्नामेंट्स की रणनीति का काम जारी रखे हुए हैं। लेकिन हम काम को जारी रखने की रणनीति भी बना रहे हैं जो हमें इस समय के बदलते माहौल में मदद करेगी।

थाइलैंड में रहने को मजबूर सजन प्रकाश को मिला चोट से उबरने का अतिरिक्त समय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। लॉकडाउन के कारण थाइलैंड के फुकेट स्थित अभ्यास केंद्र में फंसे भारतीय तैराक सजन प्रकाश को कोविड–19 महामारी के कारण प्रतियोगिताएं रद्द या स्थगित होने से चोट से उबरने का अतिरिक्त समय मिल गया है। सजन तैराकी प्रतियोगिताओं की तैयारी के सिलसिले में फरवरी में फुकेट गए थे। उन्हें ओलिंपिक के लिए 'ए' क्वॉलिफाइंग मानदंड हासिल करने की उम्मीद थी लेकिन देश में लॉकडाउन के कारण वह स्वदेश नहीं लौट पाए। सजन ने कहा, 'मैं फुकेट में हूं और यहां सुरक्षित हूं।' यह भारतीय तैराक विभिन्न देशों के 18 अन्य तैराकों के साथ तान्यापुरा अकादमी में हैं। सजन को अंतरराष्ट्रीय तैराकी महासंघ (फिना) से स्कॉलरशिप मिली थी। उन्होंने कहा, 'मैं अभ्यास के सिलसिले में 12 फरवरी को यहां आया था। मैं यहां आराम से हूं। मुझे फिना से स्कॉलरशिप मिली है इसलिए मुझे किसी तरह की परेशानी नहीं है।' सजन चार साल पहले रियो ओलिंपिक में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय तैराक थे।

टूर डि फ्रांस स्थगित, अगस्त के अंत में फिर शुरू हो सकती है रेस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पैरिस। प्रतिष्ठित टूर डि फ्रांस को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुरू करने की उम्मीदें टूट गई हैं और दुनिया की सबसे लोकप्रिय साइक्लिंग रेस को कोरोना वायरस महामारी के कारण अंततरू स्थगित कर दिया गया है। तीन हफ्ते तक चलने वाली यह रेस हालांकि अब भी इस साल आयोजित की जा सकती है। फ्रांस के समाचार पत्रों ने मंगलवार को कहा कि यह प्रतियोगिता अगस्त में शुरू हो सकती है। एलइक्विपे और ला पेरिसिएन दोनों ने कहा कि आयोजकों को उम्मीद है कि वे 29 अगस्त से 20 सितंबर के बीच प्रतियोगिता का आयोजन कर पाएंगे। नए कार्यक्रम के अनुसार टूर डि फ्रांस उस समय खत्म होगा जब नए संशोधित कार्यक्रम के अनुसार पैरिस में प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नमेंट फ्रेंच ओपन शुरू होगा।